बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-445
26/12/2024

मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी एवं शिवहर जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं के संबंध में की संयुक्त समीक्षात्मक बैठक

• समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने की कई महत्वपूर्ण घोषणायें

पटना, 26 दिसम्बर 2024 :– प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज सीतामढ़ी एवं शिवहर जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं के संबंध में सीतामढ़ी समाहरणालय स्थित परिचर्चा भवन में संयुक्त समीक्षात्मक बैठक की।

संयुक्त समीक्षात्मक बैठक में सीतामढ़ी जिला के जिलाधिकारी श्री रिची पांडेय ने सीतामढ़ी और शिवहर जिले के विकास कार्यों का प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, हर घर नल का जल एवं उनका अनुरक्षण, हर घर तक पक्की गली–नाली, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, हर खेत तक सिंचाई का पानी, कृषि फीडर का निर्माण, मुख्यमंत्री कृषि विद्युत कनेक्शन योजना, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को प्रोत्साहन, स्वास्थ्य उपकेंद्र में टेली मेडिसिन के माध्यम से चिकित्सा परामर्श, पशु चिकित्सा सेवाओं की डोर स्टेप डिलीवरी एवं पंचायत सरकार भवन के निर्माण की अद्यतन स्थिति के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा हर पंचायत में 10+2 विद्यालय, ग्राम पंचायत, नगर पंचायत में खेल–कूद को बढ़ावा देने हेतु स्पोर्ट्स क्लब का गठन, प्रत्येक पंचायत में खेल का मैदान, मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना (अवशेष), मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों का गठन, राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, दाखिल खारिज/परिमार्जन/परिमार्जन प्लस एवं जल–जीवन–हरियाली के तहत जीर्णोद्धार कराए गए सार्वजनिक कुओं, पोखर तथा तालाबों की अद्यतन स्थिति के संबंध में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष जनप्रतिनिधियों ने अपने–अपने क्षेत्र की समस्याएं भी रखीं।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बैठक में जनप्रतिनिधियों ने जो भी समस्याएं रखी हैं, उनका जल्द से जल्द निराकरण करें। 24 नवंबर, 2005 से बिहार के लोगों ने हमलोगों को काम करने का मौका दिया। उस समय से हमलोग बिहार के विकास के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। सभी क्षेत्रों और सभी वर्गों के लिए लगातार विकास का काम किया जा रहा है। वर्ष 2005 से पहले बिहार की हालत काफी खराब थी। शाम के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकलने में डरते थे। अस्पतालों में इलाज का इंतजाम नहीं था, सड़कें जर्जर थीं। शिक्षा की हालत ठीक नहीं थी। प्रायः हिन्दू–मुस्लिम के बीच विवाद की खबरें आती थीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बिहार के लोगों ने हमलोगों को काम करने का मौका दिया, तब से बिहार की स्थिति बदली है। हर क्षेत्र में विकास के काम किए जा रहे हैं। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया है। हमलोग मिलकर लगातार बिहार को आगे बढ़ा रहे हैं। हम दो बार गलती से इधर से उधर चले गए थे। अब हमलोग हमेशा साथ रहेंगे और बिहार के साथ देश का विकास करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2006 से हमलोगों ने कब्रिस्तानों की घेराबंदी शुरू कराई। अब तक 8 हजार से अधिक कब्रिस्तानों की घेराबंदी करा दी गई है। 1247 और कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराई जा रही है, जिसमें 746 कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराई जा चुकी है। शेष कब्रिस्तानों की घेराबंदी का काम भी जल्द पूरा हो जाएगा। हमलोगों ने देखा कि मंदिरों से मूर्ति चोरी की घटनाएं हो रही हैं। इसको देखते हुए मंदिरों की चहारदीवारी के निर्माण का निर्णय लिया गया ताकि मंदिरों में चोरी की घटनाएं न हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संपूर्ण बिहार में विकास का काम हमलोग करा रहे हैं। बिहार का कोई भी इलाका विकास से अछूता नहीं है। हमलोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पुल–पुलिया के निर्माण का काम बड़े पैमाने पर कराया है, जिसके कारण बिहार के किसी भी कोने से पहले 6 घंटे में लोग पटना पहुंचते थे, अब उसे घटाकर 5 घंटा किया गया है। इसके लिए हर प्रकार से काम किया जा रहा है। पहले बरसात के महीने में सीतामढ़ी राज्य से 4 महीने के लिए कट जाता था, सीतामढ़ी से पटना पहुंचने में काफी समय लगता था और काफी परेशानी होती थी लेकिन अब लोग आसानी से सीतामढ़ी से पटना पहुंच रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2006 से सरकारी विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चों के लिए पोशाक योजना की शुरुआत की गई। वर्ष 2009 से लड़कियों के लिए साइकिल योजना, वर्ष 2010 से लड़कों के लिए भी साइकिल योजना, बड़े पैमाने पर नियोजित शिक्षकों की बहाली, स्कूल भवनों का निर्माण कराकर शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने का प्रयास किया गया है। बड़ी संख्या में सरकारी शिक्षकों की बहाली की जा रही है। नियोजित शिक्षकों को परीक्षा के माध्यम से सरकारी मान्यता प्रदान की जा रही है। पहले काफी कम संख्या में लड़कियां पढ़ने जाती थीं। लड़कियों को जब साइकिल दी गई तो वे स्कूल समय पर जाने लगीं और साथ ही शाम में अपने माता–पिता को भी बाजार ले जाती हैं। यह दृश्य देखकर काफी अच्छा लगता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक माह में सिर्फ 39 मरीज इलाज कराने जाते थे। अब 1 माह में औसतन 11 हजार से अधिक मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं। पहले बिहार में सिर्फ 6 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। अब उनकी संख्या बढ़कर 11 हो गई है। हर घर नल का जल, हर घर पक्की गली एवं नाली का निर्माण, हर घर शौचालय, हर घर तक बिजली का कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाएं लोगों तक पहुंचा दी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, इसके तहत अब तक 4 चुनाव हो गए हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं चुनकर आई हैं। हमलोगों ने महिलाओं के उत्थान के लिए हर प्रकार से काम किया है। वर्ष 2013 में पुलिस की बहाली में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जिसका नतीजा है कि बिहार पुलिस बल में महिलाओं की भागीदारी काफी बढ़ी है। बिहार में 30 हजार की संख्या में महिला पुलिस है। वर्ष 2016 से हमलोगों ने सभी सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूहों की संख्या काफी कम थी। हमलोगों ने वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर स्वयं सहायता समूहों की संख्या बढ़ाने का काम शुरू किया। बिहार में अब स्वयं सहायता समूहों की संख्या 10 लाख 61 हजार हो गई है जिनसे 1 करोड़ 31 लाख जीविका दीदियां जुड़ी हैं। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं का नाम जीविका दीदी हमलोगों ने ही दिया है, जिससे प्रेरित होकर उस समय की केंद्र सरकार ने भी इसे अपनाया और उसका नाम आजीविका दिया। हमलोगों के काम का असर पूरे देश पर पड़ता है। बिहार में अब शहरी क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूहों का गठन शुरू कराया गया है, जिनमें अब तक 26 हजार जीविका दीदियां जुड़ी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसे बढ़ाकर 12 लाख किया गया है। अब तक 9 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दे दी गई है। इसके अलावा 10 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य

निर्धारित किया गया था। अब तक 24 लाख लोगों को रोजगार मुहैया कराया गया है। वर्ष 2025 में 12 लाख लोगों को सरकारी नौकरी तथा 34 लाख लोगों को रोजगार मुहैया करा दिया जाएगा। हमलोगों ने सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम किया है। मदरसों को सरकारी मान्यता दी गई है। हमलोगों ने बिहार में जाति आधारित गणना कराई जिसमें 94 लाख गरीब परिवारों को चिहिन्त किया गया है, जो हर जाति से जुड़े हैं। ऐसे गरीब परिवारों को प्रति परिवार 2 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है ताकि वे अपना जीविकोपार्जन कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने आज ही शिवहर और सीतामढ़ी जिले में विभिन्न विकास कार्यों का स्थल पर जाकर जायजा लिया। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी ली। लोगों की समस्याएं सुनी है। इस बैठक में भी जनप्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं बताई हैं, उनको भी अधिकारियों ने नोट कर लिया है। सभी समस्याओं का समाधान पूरी तत्परता से किया जाएगा। जो भी विकास कार्य बचे हुए हैं उनको त्वरित गति से पूर्ण किया जाएगा। हम लोगों की सेवा करते हैं। हम हमेशा राज्य के विकास के कार्यों में लगे रहते हैं। हम किसी के साथ भेदभाव नहीं करते हैं। वोट देना जनता का अधिकार है जिसे देना है दें, हम सभी के लिए काम करते रहेंगे। हम सब मिलकर बिहार के विकास के लिए काम करते रहेंगे।

समीक्षा बैठक में सीतामढ़ी जिले के लिये मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण घोषणायें

- ✓ आप जानते हैं कि हम लोगों ने सीतामढ़ी में विकास का काफी काम करा दिया है फिर भी जो कुछ छूट गया है या कमी रह गयी है उसे पूरा किया जायेगा। आज मुझे रीगा में चीनी मिल जाने का मौका मिला। मुझे बहुत खुशी हुयी यह देखकर की बंद पड़ा यह चीनी मिल अब चालू हो रहा है। मैंने पूर्व में ही निर्देशित किया है कि गन्ना किसानों के पूर्व के बकाये का भुगतान राज्य सरकार करेगी और इसके लिए 52 करोड़ रु० की स्वीकृति भी मैंने दे दी है। गन्ना किसानों की सुविधा के लिए गन्ना के मूल्य में 20 रु० प्रति क्विंटल की वृद्धि करने का निर्देश दिया है।
- ✓ पिछली बाढ़ में बागमती नदी का तटबंध टूटने से सीतामढ़ी जिला का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित हुआ था इसलिए आज शिवहर से रीगा आते समय हेलीकॉप्टर से इस बांध का भी मैंने निरीक्षण किया है। इसके टूटे हिस्से की मरम्मति तुरंत करायी जायेगी। साथ ही लोगों की पुरानी मांग को देखते हुए मैंने यह भी निर्देशित किया है कि बागमती नदी के दोनों तटबंधों का सुदृढ़ीकरण किया जाय और उसके ऊपर सड़क बनायी जाए।
- ✓ पुनौराधाम के विकास के लिए तो काफी काम कराये जा रहे हैं। इसके अलावा पंथपाकर (डोली स्थान) के लिए भी जमीन उपलब्ध करायी जायेगी और उसे विकसित किया जायेगा। मान्यता के अनुसार पंथपाकर में माँ सीता की डोली अयोध्या जाने के क्रम में रखी गई थी। पर्यटकीय विकास से रोजगार के साधन बढ़ेंगे।
- ✓ मुझे ये जानकारी दी गयी है कि सीतामढ़ी जिले के 4 प्रखंडों मेजरगंज, सुप्पी, बैरगनिया एवं रीगा में बिजली की आपूर्ति में समस्यायें हो रही है, इसके समाधान के लिए मेजरगंज प्रखंड में एक नये विद्युत ग्रिड स्टेशन का निर्माण कराया जायेगा।
- ✓ सीतामढ़ी में उद्योग लगाने हेतु 500 एकड़ भूमि चिन्हित की जायेगी जिस पर उद्योग लगाये जायेंगे, जिससे यहाँ के लोगों को रोजगार मिलेगा।

शिवहर जिले के लिये मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण घोषणायें

- ✓ आप जानते हैं कि हम लोगों ने शिवहर जिले में विकास का काफी काम कराया है फिर भी जो कुछ छूट गया है या कमी रह गयी है उसे पूरा किया जायेगा।
- ✓ यहाँ आने से पहले भी और आज भी कई गन्ना किसानों ने बताया है कि गन्ने का जो मूल्य उन्हें मिलता है वह कम है। मैंने कुछ दिन पूर्व ही पश्चिम चम्पारण जिले की यात्रा के दौरान गन्ना उद्योग विभाग के पदाधिकारियों को निदेश दिया है कि गन्ना के मूल्य में कम से कम 20 रु० प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की जाए। 10 रु0 प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी पहले ही की जा चुकी है। इसके अलावा 10 रु० प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी इसी सीजन से और की जायेगी जिसका व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। मुझे खुशी है कि अब गन्ना किसानों को पिछले वर्ष की तुलना में 20 रु0 प्रति क्विंटल अधिक दाम मिलेगा।
- ✓ आज यात्रा के दौरान मुझे शिवहर के नजदीक कुशहर जाने का मौका मिला। शिवहर से मुजफ्फरपुर एवं इससे आगे पटना जाने के लिए मीनापुर होते हुए कॉटी तक की सड़क का उपयोग होता है। लोगों की मांग है कि इस रोड का चौडीकरण किया जाए। मैंने पथ निर्माण विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिवहर से मीनापुर होते हुये काँटी तक के पथ का चौड़ीकरण शीघ्र किया जाए ताकि शिवहर से मुजफ्फरपुर जाने में सुविधा हो। इससे लोगों को आवागमन में सुविधा होगी तथा क्षेत्र का आर्थिक विकास भी तेजी से हो सकेगा।
- ✓ कुशहर के भ्रमण के दौरान ही लोगों ने कुशहर से देकुली धाम तक के पथ का चौड़ीकरण की मांग की है। मैंने ग्रामीण कार्य विभाग को निर्देशित किया है कि इसे शीघ्र करायें। इस पथ के बन जाने से शिवहर शहर का बाईपास के रूप में भी उपयोग होगा। साथ ही देकुली धाम जाने हेतु एक वैकल्पिक रास्ता मिलेगा। आप को पता ही है कि देवकुली धाम को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने हेतु मैंने पूर्व में ही निर्देश दिया था, यह काम अभी चल रहा है।
- ✓ शिवहर में पुराने अस्पताल की जगह पर मातृ एवं शिशु अस्पताल के नये भवन का निर्माण कराया जायेगा। इससे लोगों को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध होंगी।
- ✓ एस0एच0–54 बेलवाघाट से तरियानी छपरा होते हुए देकुली धाम पथ का निर्माण किया जायेगा। यह पथ बागमती नदी बांध के दायें तटबंध पर अवस्थित है। इसका निर्माण होने से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी।

समीक्षा बैठक में सीतामढ़ी के जिलाधिकारी श्री रिची पांडेय ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिह्न और हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया।

सीतामढ़ी समाहरणालय स्थित परिचर्चा भवन में आयोजित संयुक्त समीक्षात्मक बैठक में विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव उपस्थित थे, जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अन्य विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव जुड़े हुए थे।

समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री सह सीतामढ़ी जिला के प्रभारी मंत्री श्री अशोक चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री सह शिवहर जिला के प्रभारी मंत्री श्री जमा खान, सांसद श्री देवेश चंद्र ठाकुर, सांसद श्रीमती लवली आनंद, विधायक श्रीमती गायत्री देवी, विधायक श्री मोतीलाल प्रसाद, विधायक श्री पंकज कुमार मिश्रा, विधायक श्री मिथिलेश प्रसाद, विधायक श्री अनिल राम, विधायक श्री दिलीप राय, विधायक श्री चेतन आनंद, विधान पार्षद श्रीमती रेखा कुमारी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, विकास आयुक्त श्री प्रत्यय अमृत, शिक्षा विभाग के अपर

मुख्य सचिव डॉ0 एस0 सिद्धार्थ, अपर पुलिस महानिदेशक (मुख्यालय) श्री कुंदन कृष्णन, विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, सीतामढ़ी जिला के जिलाधिकारी श्री रिची पांडेय, शिवहर के जिलाधिकारी श्री विवेक रंजन मैत्रेय, सीतामढ़ी के पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार तिवारी एवं शिवहर के पुलिस अधीक्षक श्री शैलेश कुमार सिन्हा उपस्थित थे।

******